एनर्जी सेक्टर में निवेश के बड़े मौके: मोदी

इंडिया एनर्जी वीक 2025 में कहा, ग्रोथ बढ़ाने में बड़ी भूमिका

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत न केवल अपनी, बल्कि पूरी दुनिया की ग्रोथ बढ़ा रहा है। इसमें एनर्जी सेक्टर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मोदी राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इंडियन एनर्जी वीक 2025 को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैश्विक निवेशकों से भारत के एनर्जी सेक्टर में निवेश करने की अपील की और कहा कि अगले 5 वर्षों में यहां रिन्यूएबल एनर्जी के मामले में होने वाले बड़े बदलावों से तमाम अवसर पैदा होंगे।

पीएम ने कहा कि देश के एनर्जी सेक्टर को मजबूत करने के लिए सरकार पब्लिक को सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि आम परिवारों और किसानों को बिजली पैदा करने की क्षमता दी जा रही है। उन्होंने पीएम सूर्यघर फ्री इलेक्ट्रिसिटी स्कीम के बारे में कहा कि इसका दायरा केवल एनर्जी प्रोडक्शन तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह स्कीम सोलर सेक्टर में नए स्किल बना रही है, नया सर्विस इकोसिस्टम डिवेलप कर रही है और निवेश के अवसर बना रही है।

पीएम ने कहा कि भारत ने साल 2030 तक 500 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी, सालाना 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और ऑयल एंड गैस असेट्स की नीलामी के नए दौर शुरू करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, 'इसके चलते यहां नए निवेश की संभावनाएं हैं और मुझे उम्मीद है कि आप भारत में इन सभी संभावनाओं का लाभ लेंगे।'

पीएम ने निवेशकों से कहा कि वे केवल इंडिया एनर्जी वीक का हिस्सा नहीं है, बल्कि वे एनर्जी के मामले में भारत की महत्वाकांक्षा का भी हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि सभी विशेषज्ञ कह रहे हैं कि 21वीं सदी भारत की सदी है। भारत केवल अपनी ग्रोथ नहीं बढ़ा रहा, बल्कि ग्लोबल ग्रोथ को भी बढ़ा रहा है।

संभावनाओं का देश

- पीएम मोदी ने कहा, अगले 5 वर्षों में भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के मामले में होने वाले बड़े बदलावों से तमाम अवसर पैदा होंगे
- देश के एनर्जी सेक्टर को मजबूत करने के लिए सरकार पब्लिक को सशक्त बना रही है
- आम परिवारों और किसानों को बिजली पैदा करने की क्षमता दी जा रही है

तेल-गैस ब्लॉकों की नीलामी की शुरुआत

सरकार ने मंगलवार को तेल-गैस ब्लॉकों की नीलामी के अब तक के सबसे बड़े दौर की शुरुआत की। इसमें 25 ब्लॉक शामिल किए गए हैं। इनका एरिया 1.91 लाख वर्ग किलोमीटर है। ये मुख्य रूप से समुद्री इलाके में हैं। देश में तेल-गैस का उत्पादन बढ़ाकर आयात पर निर्भरता घटाने के मकसद से यह कदम उठाया गया है। इस दसवें दौर की शुरुआत पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी ने की।